NPTEL ONLINE CERTIFICATION COURSES

INTERMEDIATE LEVEL OF SPOKEN SANSKRIT

DR. ANURADHA CHOUDRY

DEPARTMENT OF HUMANITIES AND SOCIAL SCIENCES
IIT KHARAGPUR

NPTEL

Lecture 42: Introduction to the स्वरसन्धि svarasandhi

CONCEPTS COVERED

- Introduction to the **स्वरसन्धि** (svarasandhi – morphophonology) and practice
- Introduction to the list of **उपसर्ग** (upasarga – prefix)
- Introduction to the **माहेश्वरसूत्राणि** (māheśvarasūtrāṇi) **or the शिव सूत्राणि** (śiva sūtrāṇi) and to a **सन्धिसूत्र** (sandhisūtra)
- Practice of धातुरूप (dhāturūpa – verb conjugation) using सन्धि sandhi
- Building of vocabulary

NPTEL

परिचयः paricayaḥ - Introduction of स्वरसन्धि svarasandhi

with अभ्यासः (abhyāsaḥ) - Practice

NPTEL

पूर्वशब्दस्य अन्तिमवर्णः pūrvaśabdasya antimavarṇaḥ								परशब्दस्य प्रथमवर्णः paraśabdasya prathamavarṇaḥ
अ / आ १	इ / ई २	उ / ऊ ३	ऋ ४	ए ५	ऐ ६	ओ ७	औ ८	
आ	य	व						अ १
आ	या	वा						आ २
ए	ई							इ / ई ३
		ऊ						उ / ऊ ४
			ॠ					ऋ ५
								ए ६
								ऐ ७
								ओ ८
								औ ९

तत्र + अस्ति
त्र् + अ + अ + स्ति
आ

का + अ
आ

का + आ
आ

अस्ति - स् + त् + इ + अ त्र
अस्त्यत्र

NPTEL

पूर्वशब्दस्य अन्तिमवर्णः pūrvaśabdasya antimavarṇaḥ								परशब्दस्य प्रथमवर्णः paraśabdasya prathamavarṇaḥ
अ / आ १	इ / ई २	उ / ऊ ३	ऋ ४	ए ५	ऐ ६	ओ ७	औ ८	
आ	य	व	र	एऽ अय	आय आ अ	ओऽ अव	आव आ अ	अ १
आ	या	वा	रा	अया	आया आ आ	अवा अ आ	आवा आ आ	आ २
ए	ई	वि / वी	रि / री	अयि / अयी अ इ/ई	आयि / आयी आ इ/ई	अवि / अवी अ इ/ई	आवि / आवी आ इ/ई	इ / ई ३
ओ	यु / यू	ऊ	रु / रू	अयु / अयू अ उ/ऊ	आयु / आयू आ उ/ऊ	अवु / अवू अ उ/ऊ	आवु / आवू आ उ/ऊ	उ / ऊ ४
अर् ar	यृ	वृ	ऋ	अयृ अ ऋ	आयृ आ ऋ	अवृ अ ऋ	आवृ आ ऋ	ऋ ५
ऐ	ये	वे	रे	अये अ ए	आये आ ए	अवे अ ए	आवे आ ए	ए ६
ऐ	यै	वै	रै	अयै अ ऐ	आयै आ ऐ	अवै अ ऐ	आवै आ ऐ	ऐ ७
औ	यो	वो	रो	अयो अ ओ	आयो आ ओ	अवो अ ओ	आवो आ ओ	ओ ८
औ	यौ	वौ	रौ	अयौ अ औ	आयौ आ औ	अवौ अ औ	आवौ आ औ	औ ९

ते + अ
त् + ए + अ
एऽ

त्+ए + आ
अया

व्यै + आ
य् + ऐ + आ
व्य् + आया + गच्छति
व्यायागच्छति
व्या आग...

NPTEL

पूर्वशब्दस्य अन्तिमवर्णः pūrvaśabdasya antimavarṇaḥ								परशब्दस्य प्रथमवर्णः paraśabdasya prathamavarṇaḥ
अ / आ १	इ / ई २	उ / ऊ ३	ऋ ४	ए ५	ऐ ६	ओ ७	औ ८	
आ	य	व	र	एऽ अय	आय आ अ	ओऽ अव	आव आ अ	अ १
आ	या	वा	रा	अया	आया आ आ	अवा अ आ	आवा आ आ	आ २
ए	ई	वि / वी	रि / री	अयि / अयी अ इ/ई	आयि / आयी आ इ/ई	अवि / अवी अ इ/ई	आवि / आवी आ इ/ई	इ / ई ३
ओ	यु / यू	ऊ	रु / रू	अयु / अयू अ उ/ऊ	आयु / आयू आ उ/ऊ	अवु / अवू अ उ/ऊ	आवु / आवू आ उ/ऊ	उ / ऊ ४
अर् ar	यृ	वृ	ऋ	अयृ अ ऋ	आयृ आ ऋ	अवृ अ ऋ	आवृ आ ऋ	ऋ ५
ऐ	ये	वे	रे	अये अ ए	आये आ ए	अवे अ ए	आवे आ ए	ए ६
ऐ	यै	वै	रै	अयै अ ऐ	आयै आ ऐ	अवै अ ऐ	आवै आ ऐ	ऐ ७
औ	यो	वो	रो	अयो अ ओ	आयो आ ओ	अवो अ ओ	आवो आ ओ	ओ ८
औ	यौ	वौ	रौ	अयौ अ औ	आयौ आ औ	अवौ अ औ	आवौ आ औ	औ ९

अभ्यासः abhyāsaḥ

रस + अयन = रसायन

परम + आत्मा

देव + इन्द्र

पर + उपकार

दव + ऋषि

तेन + एव

मम + औत्सुक्यम्

इति + आदि

पितृ + आदेश

सर्वे + एव

भूमौ उपविशति

NPTEL

परिचयः paricayaḥ - Introduction to उपसर्गाः upasargāḥ

NPTEL

उपसर्गाः (२०+२=२२) upasargāḥ (20+2=22)

प्रपरापसमन्ववनिर्दुरभिव्यधिसूदतिनिप्रतिपर्यपयः।

praparāpasamanvavanirdurabhivyadhisūdatinipratiparyapayaḥ|

उप-आङिति विंशतिरेष सखे! उपसर्गविधिः कथितः कविना॥

upa-āṅiti viṁśatireṣa sakhe! upasargavidhiḥ kathitaḥ kavinā|| सुपद्म-व्याकरणम् (supadma-vyākaraṇa)||

प्र - परा-अप-सम्-अनु-अव-निर्-दुर् -अभि-वि-अधि-सु- उद्-अति-नि-प्रति -परि-अपि (अपयः) ।

pra-parā-apa-sam-anu-ava-nir-dur-abhi -vi-adhi-su- ud -ati -ni-prati-pari- api (apayaḥ) |

उप-आङ् (इति) विंशतिरेष सखे उपसर्गविधिः कथितः कविना॥

upa-āṅ (iti) viṁśatireṣa sakhe upasargavidhiḥ kathitaḥ kavinā||

अतिरिक्तौ द्वौ उपसर्गौ - निस् दुस्

atiriktau dvau upasargau - nis dus

परि+आप्त

पर्याप्त = enough

सु+आगतम्

स्वागतम्

welcome

NPTEL

माहेश्वरसूत्राणि / शिव सूत्राणि
māheśvarasūtrāṇi / śiva sūtrāṇi

NPTEL

माहेश्वरसूत्राणि / शिव सूत्राणि
māheśvarasūtrāṇi / śiva sūtrāṇi

१. अ इ उ ण्। a i u ṇ|	८. झ भ ञ्।। jha bha ñ|
२. ऋ ऌ क्। ṛ ḷṛ k|	९. घ ढ ध ष्। gha ḍha dha ṣ|
३. ए ओ ङ्। e o ṅ|	१०. ज ब ग ड द श्। ja ba ga ḍa da ś|
४. ऐ औ च्। ai au c|	११. ख फ छ ठ थ च ट त व्। kha pha cha ṭha ca ta v|
५. ह य व र ट्। ha ya va ra ṭ|	१२. क प य्। ka pa y|
६. ल ण्। la ṇ|	१३. श ष स र्। śa ṣa sa r|
७. ञ म ङ ण न म्। ña ma ṅa ṇa na m|	१४. ह ल्। ha l|

इको यण् अचि
इकः यण् अचि (७ वि)
इक् यण् अच् → vowels
इ उ ~~ण्~~ ऋ ऌ क्
अ
य व र ~~ल्~~ ल ण्
अस्ति + अत्र → अस्त्यत्र

NPTEL

शान्तिमन्त्रः śāntimantraḥ (तैत्तिरीयोपनिषद् taittirīyopaniṣad)

ॐ सह नाववतु सह नौ भुनक्तु

om saha nāvavatu saha nau bhunaktu

together protect us (both) together us nourish

सह वीर्यं करवावहै।

saha vīryaṁ karavāvahai|

together courageously may we(two) do /act.

तेजस्विनावधीतमस्तु मा विद्विषावहै॥

tejasvināvadhītamastu mā vidviṣāvahai||

full of fiery brilliance our (two) study may be let us not have animosity

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

om śāntiḥ śāntiḥ śāntiḥ

Om peace peace peace

यो = य + उ

य् + अ + उ

ओ

o

① नाववतु

नौ + अवतु

आव् + अ

आव

नाववतु

② तेजस्विनावधीतमस्तु

नौ + अव/धीतम् + अस्तु

मस्तु

NPTEL

Conclusion

India and Vairāgyam

In India, I found a race of mortals living upon the Earth, but not adhering to it, inhabiting cities, but not being fixed to them, possessing everything, but possessed by nothing.

Apollonius of Tyana

Greek Neopythagorean Philosopher, Orator, Mathematician

(15 BCE – 100 BCE)

NPTEL

References

- Narendra. (1997). *Functional Sanskrit: its communicative aspect*. Pondicherry: Sri Aurobindo Ashram.
- Narendra. (2003). *Speak Sanskrit: the easy way*. Pondicherry: Sri Aurobindo Ashram.
- Angelova, M. (2019, March 28). *25 Quotes About India Explaining Why People Love This Country: 203 Travel Challenges*. Retrieved October 2, 2019, from 203 Travel Challenges:

NPTEL

साफल्यमस्तु वः

sāphalyamastu vaḥ

NPTEL

NPTEL ONLINE CERTIFICATION COURSES

Thank you

NPTEL